सं॰ भो॰वि॰/जी॰जी॰ एन॰/86-87/18731.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै॰ एजेमको मेटल मर्कस, बसई रोड, गुड़गांव के श्रमिक श्री राजेन्द्र सिंह मार्फत श्री मूरली कुमार महा सचिव, 5/1, शिवाजी नगर, गुड़गांव तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है;

मौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निविष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रन, ग्रीशोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, में तो घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की नई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसकी द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित भौशोगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विविद्धिट मामला जो कि उक्त प्रवन्धक तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामलाहै ग्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है, न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्री राजेन्द्र सिंह की सेवाओं का समाधन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० मो०वि०/एफ०डी०/34-87/18738. - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० जूनेजा आयरन एण्ड एलातज कम्पनी, 239/24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम सागर, पुत्र श्री हरी लाल, माफंत सी० माई० सी० यू०, 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवन्द है:

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रोद्योगिक विवाद श्रीधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणां के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7 क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रीधकरण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिदिंष्ट मामके। जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त मामला/ है श्रमदा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्देष्ट करते हैं:--

क्या श्री राम सागर की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह विस राहत वा हकदार है ?

र्सं॰ ग्रो॰ वि॰/गुड़गांव/१०-८६/18745.--चृंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि चैयरमैन, दी पटोदी हेली मण्डी कोप्रेटीन मार्किटींग सोसाईटी लि॰, हैली मण्डी, तहसील पटोदी, जिला गुड़गांव के श्रमिक श्री नेपाल सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह, गांव तथा डा॰ जटोती, तहसील पटोदी, जिला गुड़गांव तथा प्रवन्त्रकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामने में कोई मीदोगिक निवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त अधिनयम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला हैं अपवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन भास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:----

क्या श्री नेपाल सिंह, चौकीदार-कम-सेवादार (पियन) की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं शो विव/हिसार/75-87/18752.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) परिवहन श्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रबन्धक, हरियाणा राज्य परिवहन, सिरसा, के श्रीमिक श्री राज कुमार उर्फ राजू हैल्पर, पुत्र श्री कन्हैया लाल मोहल्ला जेल ग्राउंड, सिरसा तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भीर पूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, मब, श्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं० 9641-1-श्रम/78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी प्रधिनियम की घारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुवंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेन् निर्विष्ट करते हैं जोकि उनत प्रवत्यकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुवंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राज कुर्नार उर्ह राजू है तर की सेवामों का समापन न्यायोचित तथा ठी ह है ? यदि नहीं, तो वह किश राहत का हरूदार है ?